

**Number of Loan Melas Organized Under Mukhya Mantri Antyodya Pariwar  
Uuthan Yojna**

**672.** Sh. Varun Choudhary, **M.L.A.:** Will the Chief Minister be pleased to state:

- a) the district wise number of loan melas organized by the government and the expenditure incurred thereon under the Mukhyamantri Antyodya Pariwar Utthan Yojna since the inception of scheme in State;
- b) the district wise number of persons who applied for the loans and number of persons whose loans have been sanctioned so far; and
- c) the amount spent on advertising the scheme within and outside the State since its inception?

---

**Sh. Manohar Lal**

**Chief Minister**

---

- a) The details of the district wise number of Antyodya Parivar Utthan Melas organized by the government and the expenditure incurred therein since the inception of scheme in state is at **Annexure-I**.
- b) The details of the district wise number of persons who applied for the loans and numbers of persons whose loans have been sanctioned so far is at **Annexure-II**
- c) An amount of Rs. **32,34,000/-** has been spent on advertising the scheme within and outside the state since its inception.

मुख्यमंत्री अन्तोदय परिवार उत्थान योजना के अन्तर्गत ऋण मेलों की संख्या

672. श्री वरुण चौधरी, एम.एल.ए.: क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि:-

- (क) सरकार द्वारा आयोजित ऋण मेलों की संख्या कितनी है तथा राज्य में योजना के आरम्भ से अब तक तथा मुख्यमंत्री अन्तोदय परिवार उत्थान योजना के तहत इस पर किया गया व्यय कितना है;
- (ख) उन व्यक्तियों की जिलावार संख्या कितनी है जिन्होंने ऋण के लिए आवेदन किया तथा उन व्यक्तियों की संख्या कितनी है जिनका ऋण अब तक स्वीकृत हुआ है; तथा
- (ग) इसके आरम्भ से राज्य के भीतर तथा बाहर योजना के विज्ञापन पर कितनी राशि खर्च हुई?

.....  
श्री मनोहर लाल

मुख्यमंत्री

- (क) सरकार द्वारा आयोजित अंत्योदय परिवार उत्थान मेलों की जिलेवार संख्या और राज्य में योजना की शुरुआत से अब तक किए गए व्यय का विवरण अनुबंध-I में है।
- (ख) ऋण के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों की जिलेवार संख्या और अब तक स्वीकृत किए गए ऋणों की संख्या का विवरण अनुबंध-II में है।
- (ग) योजना की स्थापना के बाद से राज्य के भीतर और बाहर इस योजना के विज्ञापन पर 32,34,000/- रुपये खर्च किए गए हैं।

